

## मेन्स मास्टर

### भारत-मालदीव संबंधों में नवीनतम गिरावट क्या है?

हाल ही में, मालदीव कैबिनेट ने हाइड्रोग्राफी पर एक साथ काम करने के बारे में भारत के साथ समझौते को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया। 2019 में हस्ताक्षरित यह समझौता 2024 में समाप्त हो जाएगा। यह निर्णय राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के हिंद महासागर द्वीपों से भारतीय सैनिकों को वापस भेजने के वादे का पालन करता है, जो इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के 'भारत पहले' दृष्टिकोण से हटकर है।

#### हाइड्रोग्राफी अवलोकन:

- **परिभाषा:** डेटा संकलन, मानचित्र/चार्ट निर्माण, परिवर्तनों की भविष्यवाणी के माध्यम से महासागरों, समुद्रों, जल निकायों का वैज्ञानिक अध्ययन।
- **उद्देश्य:** भौतिक विशेषताओं को मापना, परिवर्तनों की भविष्यवाणी करना, सुरक्षित नेविगेशन सुनिश्चित करना, आर्थिक, सुरक्षा, वैज्ञानिक और पर्यावरणीय गतिविधियों का समर्थन करना।

#### भारत की विशेषज्ञता:

- आईएचओ सदस्यता: 1955 से सक्रिय, अंतर्राष्ट्रीय हाइड्रोग्राफिक प्रयासों में योगदान।
- **आईएनएचडी स्थापना:** 1874 में कोलकाता में स्थापित, अब हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण और मानचित्रण का नेतृत्व कर रहा है।
- **साझेदारी:** हाइड्रोग्राफिक सहयोग के लिए हिंद महासागर और अन्य देशों (मॉरीशस, सेशेल्स, तंजानिया, मालदीव, आदि) के साथ सहयोग।
- **विस्तारित भूमिका:** वैश्विक हाइड्रोग्राफी और समुद्री कूटनीति में INHD की बढ़ी हुई भूमिका, 39 देशों के कर्मियों को प्रशिक्षण की पेशकश।

#### 2019 एमओयू का महत्व:

- **संदर्भ:** पीएम मोदी की यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित, राष्ट्रपति सोलिह की चुनावी जीत के बाद मजबूत संबंधों का प्रतीक।
- **प्रतिबद्धता:** विकास, रक्षा और समुद्री सुरक्षा के प्रति पारस्परिक प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई।
- **परिचालन:** हाइड्रोग्राफी पर संयुक्त आयोग के गठन और उसके बाद एमएनडीएफ और भारतीय नौसेना के बीच संयुक्त सर्वेक्षण का नेतृत्व किया गया।

#### नवीनीकरण के विरुद्ध कैबिनेट का निर्णय:

- **प्रशासन का उद्देश्य:** राष्ट्रपति मुइज्जू की सरकार का लक्ष्य मालदीव की राष्ट्रीय सुरक्षा से संभावित समझौता करने वाले समझौतों को समाप्त करना है।
- **सैन्य क्षमता बढ़ाना:** अपने जल क्षेत्र की स्वतंत्र निगरानी और पुलिसिंग के लिए स्थानीय सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करें।
- **संप्रभुता संबंधी चिंताएँ:** अवर सचिव मोहम्मद फ़िरजुल ने इस तरह के प्रयासों में मालदीव की संप्रभुता की सुरक्षा के लिए विदेशी भागीदारी को बाहर करने की वकालत की।

## भारत- मालदीव

### Recent Developments

2018



- राष्ट्रपति सोलिह के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी ने हिस्सा लिया, जो नेताओं के बीच शुरुआती संबंधों का संकेत है।

जून 2019



- पीएम मोदी की मालदीव की राजकीय यात्रा के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- राष्ट्रपति सोलिह की चुनावी जीत के बाद मजबूत हुए संबंधों को दर्शाता है।
- एमएनडीएफ और भारतीय नौसेना में सहयोग पर जोर।

सितंबर 2019



- सहयोग को मजबूत करते हुए हाइड्रोग्राफी पर संयुक्त आयोग का गठन किया गया।
- एमएनडीएफ और भारतीय नौसेना में मालदीव में संयुक्त हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण शुरू किया।

2020-कोविड-19 के दौरान



- भारत ने 2020 में COVID-19 संकट के दौरान मुद्रा विनिमय के माध्यम से \$150 मिलियन की वित्तीय सहायता प्रदान की।
- भारतीय वायु सेना ने मालदीव की सहायता के लिए आवश्यक दवाओं और अस्पताल की आपूर्ति को एयरलिफ्ट करते हुए ऑपरेशन 'संजीवनी' चलाया।
- मालदीव को COVID-19 के प्रकोप से निपटने में सहायता के लिए भारत से आवश्यक दवाओं के साथ एक मेडिकल टीम भेजी गई थी।

2021-2023



- एमओयू समझौते के बाद एमएनडीएफ और भारतीय नौसेना द्वारा तीन संयुक्त हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण आयोजित किए गए।

इस महीने की शुरुआत में (वर्तमान घटनाक्रम)



- कैबिनेट ने 2019 एमओयू को नवीनीकृत नहीं करने का फैसला किया।
- राष्ट्रपति मुइज्जू के प्रशासन का लक्ष्य राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिम पैदा करने वाले समझौतों को समाप्त करना है।
- जल की स्वतंत्र निगरानी के लिए मालदीव की सैन्य क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करें।
- मालदीव की संप्रभुता की सुरक्षा के लिए अवर सचिव मोहम्मद फ़िरजुल द्वारा विदेशी भागीदारी के बहिष्कार की वकालत की गई।

# क्या नया दूरसंचार विधेयक इस क्षेत्र को सुव्यवस्थित करेगा?

## टेलीकॉम बिल, 2023

### अवलोकन:

- पुराने कानूनों की जगह:
  - 1885 का टेलीग्राफ अधिनियम
  - भारतीय वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम 1933
  - टेलीग्राफ तार (गैरकानूनी कब्जा) अधिनियम, 1950
- इनके लिए लाइसेंसिंग को सरल बनाता है:
  - टेलीकॉम ऑपरेंटर
  - वायरलेस नेटवर्क
  - आईएनपी
  - संचार शैल

### प्रमुख प्रावधान:

- स्पेक्ट्रम आवंटन:
  - आवंटन को नियंत्रित करता है
  - दूरसंचार बुनियादी ढांचे के लिए रास्ते का अधिकार
- आपातकालीन शक्तियाँ:
  - राष्ट्रीय सुरक्षा उपाय
  - सार्वजनिक सुरक्षा दिशानिर्देश
  - परिेशान न करने रजिस्टर

### उद्योग और हितधारक प्रतिक्रियाएँ:

- दूरसंचार संघ:
  - के लिए प्रस्ताव: एकत्रित रास्ते का अधिकार नियम
  - बांछागत मुफ्त का समाधान
  - से राहत: कर का बोझ
  - स्पष्ट दंड
- अंतरिक्ष संघ:
  - इन्हें शामिल किए जाने का स्वागत है: सैटेलाइट आपात संचार नेटवर्क
  - भविष्यवाणी: सेक्टर का विकास

### आलोचकों द्वारा उठाई गई चिंताएँ:

- नगरानी एवं गोपनीयता:
  - इन्हें लिए आलोचना की गई:
    - बड़े पैमाने पर निगरानी को सहज करना
    - उपयोगकर्ता की पध्दान अनिवार्य करना
    - अनुपालन न करने पर भारी जुर्माना
- आपातकालीन शक्तियाँ विवाद:
  - अध्याय 1V की शक्तियों को इस प्रकार देखा गया:
    - दुरुपयोग-प्रवण
    - मानवाधिकार संकेपी विवादों को ठठाना
    - डिजिटल सेवाओं पर भारीसे पर संदेह

### उद्योग और विशेषज्ञों की रांमे:

- वापसी का आग्रह:
  - इस कारण:
    - निगरानी और गोपनीयता निहितार्थ
    - ऑनलाइन सुरक्षा को लेजर चिंता
    - एकिकथन मानक और प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय
  - के लिए कहता है:
    - सुरक्षात्मक उपायों का समावेश
    - निगरानी संकेपी चिंताओं का समाधान करना

## एक रणनीतिक चोक प्वाइंट



### • संघर्ष में वृद्धि:

• इजराइल-हमास संघर्ष के दौरान, लेबनान में हिज्बुल्लाह द्वारा दूसरा मोर्चा खोलने की उम्मीद थी, लेकिन पूर्ण पैमाने पर युद्ध के बिना तनाव बना रहा।  
 • ईरान द्वारा समर्थित यमन के अंसार अल्लाह (हौथिस) ने शुरू में इजराइल को निशाना बनाया लेकिन अपना ध्यान लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर केंद्रित कर दिया।

### • हौथी कार्य और प्रभाव:

• हौथी ने लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाकर हमला किया, जिससे वैश्विक नौवहन के लिए खतरा पैदा हो गया।  
 • बड़ी हुई घटनाओं ने शिपिंग मार्गों को बाधित कर दिया, जिससे प्रमुख कंपनियों ने लाल सागर में व्यापार को निलंबित कर दिया, जिससे यातायात में 35% की गिरावट आई।

### • बाब अल-मंडेब का रणनीतिक महत्व:

• बाब अल-मंडेब, एक संकीर्ण जलडमरूमध्य, लाल सागर को अदन की खाड़ी और हिंद महासागर से महत्वपूर्ण रूप से जोड़ता है।  
 • रणनीतिक महत्व के कारण ऐतिहासिक रूप से ब्रिटिशों से सुरक्षा मिली और यमन के एकीकरण के बाद नियंत्रण स्थानांतरित हो गया।

### • हौथी क्षमताएं और प्रभाव:

• बाब अल-मंडेब के पास स्थित हौथिस के पास जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाने के लिए हथियार हैं।  
 • उनके हमलों ने न केवल इजराइल के दक्षिणी बंदरगाह को प्रभावित किया, बल्कि 12% वैश्विक समुद्री व्यापार को भी बाधित कर दिया, जिससे यातायात को फिर से मार्ग बदलना पड़ा।

### • आर्थिक और सुरक्षा निहितार्थ:

• अफ्रीका के चारों ओर यातायात का मार्ग बदलने से दूरियाँ और शिपिंग अवधि बढ़ गई, जिससे वैश्विक व्यापार प्रभावित हुआ।  
 • अमेरिका ने हौथी खतरों का मुकाबला करने के लिए एक नौसैनिक टास्क फोर्स का गठन किया, जबकि क्षेत्रीय देशों ने प्रत्यक्ष भागीदारी से परहेज किया।

### • निरंतर खतरा और प्रतिक्रिया:

• जब तक इजराइल और गाजा के बीच संघर्ष जारी रहेगा हौथी टैंकरों को निशाना बनाते रहेंगे।  
 • अमेरिका और सहयोगियों ने नौसैनिक संसाधनों का वादा किया है और हौथिस के खिलाफ संभावित आक्रामक कार्रवाइयों से इनकार नहीं किया है।

